

M.A.(History) New CBCS + CBCS Semester-III  
**MAH303(D) - Paper-III (D) : Women in Indian History**

P. Pages : 3

Time : Three Hours



**GUG/S/24/13480**

Max. Marks : 80

- 
- Notes : 1. All questions are compulsory.  
2. All questions carry equal marks.

1. Examine the Marxist approach to the study of women. 16

**OR**

Critically examine the socialist approach to the study of women.

2. Discuss archival sources on the status of women with the special reference to Government Files, Reports and Census. 16

**OR**

Give an account of the archival materials to the position of women in colonial India.

3. Examine the social position of women during the age of Buddha and Jain. 16

**OR**

Criticize the statutory status of women in Tribal Societies.

4. Examine the educational status of women in Ancient India. 16

**OR**

Examine the educational status of women in post-independence India.

5. Answer the following questions in short.
- a) Write about Anti-caste feminism. 4
  - b) Explain the importance of Oral History in feminist historiography. 4
  - c) Legal status of women in Ancient India. 4
  - d) Property rights of Women. 4

\*\*\*\*\*

M.A.(History) New CBCS + CBCS Semester-III  
**MAH303(D) - Paper-III (D) : Women in Indian History**

Time : Three Hours

Max. Marks : 80

- सुचना :- 1. सर्व प्रश्न आवश्यक आहेत.  
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. स्त्री विषयक अध्ययनासंबंधीच्या मार्क्सवादी दृष्टीकोनाचे परीक्षण करा. 16  
किंवा  
स्त्री विषयक अध्ययनासंबंधीच्या समाजवादी दृष्टीकोनाचे टिकात्मक परीक्षण करा.
2. शासकीय फाईल, अहवाल आणि जनगणनेच्या विशेष संदर्भात स्त्रियांच्या स्थितीविषयीच्या अभिलेखागारीय साधनांची चर्चा करा. 16  
किंवा  
वसाहतीक भारतातील महिलांच्या स्थितीसंबंधी अभिलेखागारीय साधनांची माहिती द्या.
3. बौद्ध आणि जैनकालीन स्त्रियांच्या सामाजिक दर्जाचे परीक्षण करा. 16  
किंवा  
आदिवासी समाजातील स्त्रियांच्या वैधानिक दर्जाचे टिकात्मक विवेचन करा.
4. प्राचीन भारतातील स्त्रियांच्या शैक्षणिक दर्जाचे परीक्षण करा. 16  
किंवा  
स्वातंत्र्योत्तर भारतातील स्त्रियांच्या शैक्षणिक दर्जाचे परीक्षण करा.
5. खालील प्रश्नांची थोडक्यात उत्तरे लिहा.
- अ) जातीविरोधी स्त्रीवादाविषयी माहिती लिहा. 4
- ब) स्त्रीवादी इतिहास लेखनातील मौखिक इतिहासाचे महत्व सांगा. 4
- क) प्राचीन भारतीय स्त्रीचा वैधानिक दर्जा. 4
- ड) स्त्रियांचा संपत्तीविषयक अधिकार. 4

\*\*\*\*\*

M.A.(History) New CBCS + CBCS Semester-III  
**MAH303(D) - Paper-III (D) : Women in Indian History**

Time : Three Hours

Max. Marks : 80

- सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।  
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

- |    |   |    |
|----|---|----|
| 1. | महिलाओं के अध्ययन संबंधी मार्क्सवादी दृष्टिकोण का परीक्षण किजिए।<br><b>अथवा</b><br>महिलाओं के अध्ययन संबंधी समाजवादी दृष्टिकोण का आलोचनात्मक परीक्षण किजिए।   | 16 |
| 2. | सरकारी फाईल अहवाल और जनगणना के विशेष संदर्भ में महिलाओं की स्थितीपर अभिलेखीय साधनों की चर्चा किजिए।<br><b>अथवा</b><br>औपनिवेशिक भारत में महिलाओं की स्थितीसंबंधीत अभिलेखागारीय स्रोतों का वृत्तांत लिखिए। | 16 |
| 3. | जैन और बौद्ध काल में स्त्रियों के सामाजिक दर्जे का परीक्षण किजिए।<br><b>अथवा</b><br>आदिम समाज में महिलाओं की वैधानिक स्थिती की आलोचना किजिए।  | 16 |
| 4. | प्राचीन भारत में महिलाओं की शैक्षणिक स्थिती का परीक्षण किजिए।<br><b>अथवा</b><br>स्वतंत्रता के बाद भारत में महिलाओं की शैक्षणिक स्थिती का परीक्षण किजिए।   | 16 |
| 5. | निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर लिखिए।   |    |
|    | अ) जाती विरोधी नारीवाद।   | 4  |
|    | ब) नारीवादी इतिहास लेखन में मौखिक इतिहास का महत्व बताईए।  | 4  |
|    | क) प्राचीन भारत में नारी का कानूनी दर्जा  | 4  |
|    | ड) महिलाओं का संपत्ती अधिकार।   | 4  |

\*\*\*\*\*

